



**PARMAR SSC**

# Folk Dance of India



**PARMAR SSC**



**PARMAR SSC**



**PARMAR ACADEMY APP**

Click and Join the above Platforms to connect with us...

## भारतीय लोक नृत्य :

### आंध्रप्रदेश :

→ वीर लीगो के लिए धीमैसी कीराले की भाप से बुरा बनालू ।

वीरनाट्यम् , धीमसा , भामाकल्पम् , बुरकाषा , वीनालू , वुट्टा वीमालू , कीलट्टम् , डप्पू

### अरुणाचल प्रदेश :

→ अजी बान्ची बऊआ के पास चली और मास्क लगाके Lion & Peacock डांस देखी।

{ अजीलामू , बान्ची , बुईया , पासीकीठाकी , चाली , मास्क , Lion & Peacock , चीपिर , वरदी हाम , रिखमपाड़ा

### असम :

- भौरताल
- झुमुर
- बुगुरुम्बा
- विट्टु
- अली आई लिआंग
- देवघानी



### बिहार :

- |             |          |         |        |
|-------------|----------|---------|--------|
| → जाट जाटिन | → धीबिया | → झरनी  | → कजरी |
| → बिदेशिया  | → झिझिया | → पाइका | → हऊ   |

## इत्तीसगाट :

→ अक्सर सुवा कर्म ना करके गोंडिया मारते हैं पागलपंघी करते हैं और पांडवों के साथ झूमर के नीचे सेला डांस करते हैं।

अक्सर	→	कवसर कृत्य
सुवा	→	सुवा नाचा / Parrot Dance
कर्म	→	कर्म नाचा
गोंडिया	→	गोंडी डांस
मारते हैं	→	गौर मारिया डांस
पागलपंघी	→	पंघी नाच
पांडवों	→	पण्डवानी डांस → तीजनवाई
झूमर	→	झूमर डांस
सेला डांस	→	सेला डांस



## गुजरात :

→ गुजरात की गीपियां डांडिया खेलनी सीढियों से मटक के पधार रही हैं।

→ गरबा	→ टुडी
→ गीप रास	→ पधार
→ डांडिया रास	→ सिद्दी दमाल
→ भवाई	→ लारथ
→ टिप्पानी	→ मटुकाडी
→ विजडूडी	



## गोवा :

→ मांडवी चौड़े गाडी जगुआर देखने और पतंग उड़ाने गोवा जा रही है। चलो गांव रोमत सो जाओ जाके।

मांडवी	→	मांडी डांस
दीड़े	→	पीड़े, मीडनी डांस
गाड़ी	→	तालगाड़ी, फुगड़ी डांस
जगुआर	→	जागीर डांस
देखने	→	देखनी डांस
घतंग	→	तरंगमैल डांस
गोवा	→	गोवा
चली	→	धाली
गांव	→	गोन्फ
रीमत	→	रीमत
सौ जाओ	→	साओ जाओ डांस



## हिमाचल प्रदेश:

→ नाटा दौरा अमन हिम पे राक्षसों के चोला और माला ओढ़ के सांड पर बैठकर डांग लेकर दूपा दूप कर रहा है।

नाटा	→	नाटी डांस
दौरा	→	झीरा / झाली डांस
अमन	→	धमन डांस
हिम पे	→	हिमाचल प्रदेश
राक्षसों	→	राक्षस डांस
चोला	→	चीलम्बा डांस
माला	→	कथंग माला डांस
सांड	→	सांड / साबु डांस
डांग	→	डांगी डांस
दूपा	→	दूपेली डांस
दूप	→	दूम डांस



## हरियाणा

→ हरियाणा के पंचकुला की हरियाणों डपली और मंजीरा भेके झूमर के नीचे

फाल्गुन में धमाल मचा रही।

- धमाल
- झूमर
- मंजीरा
- फाग
- लूर
- डफ
- चरकुला
- खीरिया
- गुग्गा



## जम्मू & कश्मीर :

→ टेरिस रौफ भंड टोके मनाली में कुद रहा है।

- रौफ
- भंड पावर
- कुड
- टिकट
- धमाली



## झारखंड :

- ठरम / कर्मा
- पाइका
- फगुआ
- मण्डारी
- डीमकच
- झुमैर
- दऊ
- टुंटा



## कर्नाटक :

→ यक्षा वीला कम कर साले डॉल भूत बनकर नागमण्डली लेकर सारी वीरता खत्म कर देगी।

- यक्षगान
- कर्गा
- वीरगासे
- डील्लू कुनीचा
- वीलक
- ठमसाले
- भूत अराधने
- नागमंडल



## केरल :

- |                 |                |
|-----------------|----------------|
| → औट्टम बुलाल   | → चाप्पुकली    |
| → कली कानियादुम | → कूरावरकली    |
| → कानियादुम     | → तिरुवचिराकली |
| → कीडियादुम     | → चवगार कूयु   |
| → कीलाकाली      | → वीरयम        |



## मध्य प्रदेश :

→ अक्सर गौरियां अदा दिखाने के लिये मटकी में भवारा और फूलपती रख मंच पर खड़ा नाचती हैं और ताली बजाती हैं।

- |           |            |
|-----------|------------|
| → भवारा   | → अदा डांस |
| → मटकी    | → खड़ा नाच |
| → फूलपती  | → भगौरिया  |
| → तैरतालु | → कक्सर    |
| → सैला    | → माच      |



## मणिपुर :

- |              |               |
|--------------|---------------|
| → बांगरा     | → रासलीला     |
| → लाई हरीबा  | → भागीई       |
| → डोल चौलीम  | → खम्बा धीइवी |
| → पुंग चौलीम | → नुपा        |



## मेघालय :

(NongKhem) नोंगक़ेम → खासी जनजाति

वंगाला → गारो जनजाति (festival of hundred drums)

बैददीनखलम → जयन्तिया

शाद सुकरा

बाही → जयन्तिया

## मिथौरम :

मिथौरम के मंच पे खुल्लम चिल्लम और जंग चल रही हैं।

- मंच → अंगतालम
- खुल्लम → फैलम (cheiflam)
- चैलम → चैरांव

## महाराष्ट्र :

→ ये कौदली बजापाव लाना, लेजी कटी की तमाशा कर रही हैं, इफा टोला तरना में मौनी जो दंगका नाटक करती हैं उसके पास चला जाऊंगा।

- कौदली → कौली डांस
- बजापाव → पीवदास डांस
- लाना → लावणी डांस - वैठाखीची
- लेजी → लेजिम डांस
- तमाशा → तमाशा डांस
- इफा → इफा डांस
- मौनी → मौनी डांस
- दंगका → घंठारी डांस
- नाटक → नाटक डांस



## नागालैण्ड :

- रैठमा → चांगार्ई
- आलुयट्टु / अलुयट्टु → ज़ेलांग
- बम्बू डांस
- बटरफ्लाई



## ओडिसा :

- पुआ खाया दालखाई डंडा लैके चूम रहा भागा नाचा।
- शीतीपुआ → डंडारी → भागनाचा → करमा
  - दालखाई → चमरा → हऊ → रनापा

## राजस्थान :

→ राजा गंगा कल घूम रहे थे चार वाली बिके सुर्खी के साथ ।

- गंगौर
- कालबेलिया
- घूमर
- सुर्खसिनी
- तेरताली
- चारी → गुर्जर



## सिक्किम :

- चूफार
- जौमल लोक
- कगरीड
- सिकमारी
- यकहाम / सिंगी हाम
- मरुनी
- पंटु
- कंचनजंगा की समर्पित } लैप्चा जनजाति



## तमिलनाडु :

- कौलाट्टम
- सिबम्बाट्टम
- औयिळट्टम
- देवारट्टम
- कुचिराई अट्टम
- कुम्मी
- कावड़ी



## तेलंगाना :

- लम्बाडी
- चिम्सा
- गुसाडी
- बीनालू
- माचुरी



## त्रिपुरा :

- हीजागिरी
- विन्नु
- हाईकक
- मैमाता
- गरिआ
- लैवांग
- संगरई



## उत्तर प्रदेश :

- चरकुला
- रासलीला
- खयाल
- जींटेकी
- कलरी
- रामलीला
- डबरा / दादरा



## उत्तराखण्ड :

- दूपेली
- चांचरी
- झीरा
- झीलिया
- तंडी
- वाडिया



## मार्शल नृत्य :

- लाठी
- गटका
- सिलमबम
- सरिता सरक / बांगटा
- कलारीपयट्टु
- थीडा
- इनवुआन
- मदनी खेल
- परी खंडा
- मल्लखंब
- मुस्ती थोडा
- पंजाब / पश्चिम बंगाल
- पंजाब
- तमिलनाडु
- मणिपुर
- केरल
- हिमांचल प्रदेश
- मिज़ोरम
- महाराष्ट्र
- बिहार
- MP
- वाराणसी (UP)

## प्रश्नीतर :

- रंगबाटी - ओडिशा का लोकनृत्य
- शरद ऋतु के दौरान ' कुलिस' (चाय बागानों में काम करने वाले लोग) द्वारा किया जाने वाला असम का सबसे प्रसिद्ध नृत्य रूप - झूमर नृत्य
- विलासिनी नाट्यम & वैरिनाट्यम - आंध्रप्रदेश

- विरहा - उन महिलाओं की पीडा दशाति है जिनके साथी चर से चले गये हैं।  
↳ विदेशिया
- गतका, निदंग सिरव शीदशाओं की एक पारंपरिक युद्ध शैली है, जिसका उपयोग आत्मरक्षा के साथ-साथ खेल दिनों के लिए किया जाता है, जिसकी उत्पत्ति  
हूर् - पंजाब
- भगवान खंडीबा से संबंधित वाघ्या गुरली नृत्य की उत्पत्ति - महाराष्ट्र
- युद्ध के तमिल देवता मरुगन की औपचारिक पूजा के दौरान भक्तों द्वारा नृत्य-  
कवडी अट्टम (TN)
- पश्चिम बंगाल का पारंपरिक मुखौटा नृत्य - गंभीरा
- यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त नृत्य - कालवैलिया
- इम्मट - आट - कुर्ग
- मिनिक्ॉय द्वीप का लोकप्रिय लोकनृत्य - लावा
- दक्षिण मालाबार में लोकप्रिय मुखौटा नृत्य - कुम्मट्टिकलि
- महिलाओं द्वारा जलते हुए दीयों के साथ सिर पर कुर्सियां रखकर प्रदर्शन किया  
जाता - चारी/चरी नृत्य
- राठवानी घेर गुजरात की राठवा जनजाति द्वारा किस अवसर पर किया जाने वाला  
नृत्य है - होली
- रत्नार्क लोकनृत्य शैली - मैवाती
- थंगारी ग्राजा - महाराष्ट्र
- मैवालय का लोकप्रिय नृत्य त्यौहार - चाड सुक्रा - एक बुआई का त्यौहार